







# बेटी बचाओ के सरकारी दावों पर सवाल है बीस हज़ार में दुल्हन की बिक्री



मनोज कुमार अग्रवाल  
देश में पातल चाकी

देश म मानव तस्करा का बड़ा जाल बिछ चुका है । इन नेटवर्क से जुड़े लोग दूसरे देशों लड़कियां लाकर देश के कई हिस्से में बेच रहे हैं इस का ताजा मामला 20,000 में एक दुल्हन बेचने सामने आया है । एक ओर भारत सरकार बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के दस साल पूरे होने जशन मना रही है दूसरी 3 अराजी कर की डाक्टर बेटी साथ हुई घिनौनी वारदात हो जमू-कश्मीर में खरीदी गई लड़कों को दुल्हन बनाने का मामला भारत में बेटियों की सुरक्षा का काला सब्बयान कर रहे हैं ।

देश में इस नेटवर्क से जुलाई के दूसरे देशों से लड़कियां लाते हुए देश के कई हिस्सों में बेच रहे हैं। इस का ताजा मामला 20,000 एक रहीं दुल्हन बेचने का साथ आया है।

रोहिण्या शरणार्थी महिला को अच्छे जीवन का लालच जम्मू-कश्मीर में % दुल्हन% रूप में बेचा जा रहा है। दो पहले कोलकाता में रेलवे पुलिस अब्दुल रहमान नाम के शख्स दो बच्चियों के साथ गिराया किया है। वह इन बच्चियों के कश्मीर ले जाने की जुगत में था। जम्मू कश्मीर में रोहिण्या महिलाओं की भारी मांग है। साल के एक आदमी की फैसले लंबे टाइम से शादी के लिए लड़ून्हों में लगी थी, लेकिन दुनहीं मिली। वह मानसिक रूप कमज़ोर था। यहां तक कि वह उठकर पानी भी नहीं पी सकता। अचानक एक दिन मोहल्ले को चला कि उसकी शादी हो गई। खुलीं तो निकला कि लड़ून्हों रोहिण्या है। 20,000 में कोई यहां बेच गया। जम्मू-कश्मीर ऐसे ढेरों मामले देखने को मिल हैं। कोलकाता में पकड़ा अब्दुल रहमान बांग्लादेश रोहिण्या मुस्लिम है और कई से कश्मीर में मजर्रूरी करता उसके साथ करीब 12-12 की दो बच्चियां थीं, जिन्हें अपने साथ कश्मीर ले जा रहा था। ए दिन न जाने ऐसी कितनी रोहिण्या लड़कियों को अवैधत से जम्मू-कश्मीर समेत देश के राज्यों में लाकर जबरदस्ती दु बना दिया जा रहा है। जम्मू के में यह रैकेट लंबे समय से चल रहा है। पहले बांग्लादेश और प्यांगार से भी रोहिण्या लड़कियों को यहां लाकर उनकी शादी उत्तरांगने शख्स से करा दी जार्ता

यही नहीं दिव्यांग या मानसिक से अक्षम लोग, जिनकी जम्मू-कश्मीर में नहीं हो पाए गए बोधी इस अवैधति तरीके से खरीद रहे हैं। जम्मू कश्मीरी लोगों के राड़ार पर ऐसे कई नेटवर्क जिनकी पहचान कर ली गई हैं। एनजीओ की ओट में यह क्वारंटाइन रहे थे। दिसंबर, 2024 तक रोहिंग्या लड़कियां जम्मू में 124 कश्मीर में % दुल्हन चुकी हैं। कई लड़कियां लाइफ की तलाश में अपनी नरक बना चुकी हैं। बांग्लादेश म्यांमार में रोहिंग्या बस्तियों एनजीओ की आड़ में लड़कियों की पहचान कर कम उम्र की लड़कियों पर नजर ज्यादा रहती है। मानव में लगे लोग हर जगह फैले खासतौर से जहां मुसलमानों की बस्ती है। लड़कियों को पश्चिम बंगाल, और त्रिपुरा के रास्ते अवैधति से भारत में लाते हैं। किरण देश के अलमा-अलग राज्यों भेजा जाता है। असम पुलिस मुताबिक रोहिंग्या खासतौर जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, हैदराबाद और केरल तक है। कश्मीर में यह रैकेट लंबे समय चल रहा है। पहले बांग्लादेश अब म्यांमार से भी लड़कियों को छोड़े बाद और दिखाकर यहां लाया जाता है। में उनकी शादी उनकी उम्र से शख्स से करा दी जाती है। नहीं दिव्यांग या मानसिक अक्षम लोग, जिनकी शादी कश्मीर में नहीं हो पाती है,

रूप शादी ही है, दुल्हन खा रहे हैं। पिछले महीने ही ज कश्मीर पुलिस ने ऐसे कई नेटवर्क की में और 124 कश्मीर %दुल्हन% बन चुकी हैं। जानकी माने तो जम्मू-कश्मीर के तियह एक खतरनाक स्थिति सकती है। पाकिस्तान इसका फायदा उठा सकता है।

रोहिंग्या अवैध तरीके गशन कार्ड से लेकर आधार क तक बनवा रहे हैं। जम्मू कश्मीर अपनी कियों की शादी कराकर रोहिंग्या वहाँ की नागरिक हासिल की कोशिश में जुटे रहे हैं। पुलिस को दिसंबर में ही 61 ज्वा अवैध आधार कार्ड जम्मू और 97 आधार कार्ड कश्मीर मिले। जम्मू कश्मीर के डीजीपी एस.पी. वैद के मुताबियहाँ के लोकल लोगों से रोहिंग्या लड़कियों की शादियाँ लंबे समय से हो रही हैं। कश्मीर से ज्यादा जम्मू में देखने को मिल रहा हमें इन्हें वापस भेजना चाहिए। वही अमेरिका, यूरोप की तरह सभी कदम उठाना चाहिए। बांलादेश और प्यामार में पहले ही रोहिंग्या मुसलमानों की स्थिति सही नहीं ऐसे में अच्छे जीवन की तलाश रोहिंग्या महिलाएं एक ऐसे मकड़जाल में फंस रही हैं, जिन बाहर निकलना उनके तिमुशिकल हो जाता है। कमलिल आंदोलनों की आपबीती रोंगटे खड़े करने वाली है। एक महिला बताती है, उसे कहा गया कि बगड़े में नौकरी दिलाएंगे। फिर बस 3 ट्रेन से लंबा सफर कर कश्मीर

आए। अपने से तीन गुना उम्र के शख्स के साथ शादी करा दी गई। वापस जाने की बात करो तो पति बहुत मारता है। तस्करों के चंगुल में फंसी ऐसी ही दूसरी महिलाओं की भी यही कहानी है। बताते चलें कि साल 2009 में पहली बार जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्याओं का आना शुरू हुआ था। देश में संख्या कभी 200 थी, जो अब 50,000 के पार हो चुकी है। अकेले जम्मू-कश्मीर में ही 11,000 से ज्यादा रोहिंग्या हैं।

आर्मी कैंप, रेलवे स्टेशन, पुलिस लाइन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के पास भी इनकी बस्तियां बन रही हैं। मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी और कई अन्य अपराधों में रोहिंग्या के शामिल होने के आरोप हैं पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में बढ़ते रोहिंग्या की संख्या का फायदा उठा सकता है।

जम्मू कश्मीर में बसने वाला पहला रोहिंग्या सईद हुसैन था, जिसे 2009 में यहां की राज्य सरकार ने बसाया था। रोहिंग्या मुसलमान अवैध तरीके से राशन कार्ड से लेकर आधार कार्ड तक बनवा रहे हैं।

जम्मू कश्मीर में अपनी लड़कियों की शादी कराकर भी रोहिंग्या बहां की नागरिकता हासिल करने की कोशिश में जुटे रहते हैं। पिछले दिसंबर में ही पुलिस को 61 से ज्यादा आधार कार्ड जम्मू में और 97 आधार कार्ड कश्मीर में मिले। ये सभी आधार कार्ड अवैध तरीके से बनवाए गए थे।

मानव तस्करी में लगे लोग हर

## ਪਾਕੁੜ ਕੀ ਖਬਰੇ

## **राष्ट्रीय युवा प्रेरणा पुरस्कार से नवाजे गए पाकुड़ के एलेक्स सैम**

**संताल एक्सप्रेस संवाददाता**  
**पाकुड़।** स्वतंत्रता से ने सुभाष चंद्र बोस की स्मिति में पाकुड़ के सामाजिक कार्यकर्ता एलेक्स रेड्डी को एलटीजी ऑफिटोरियम हाउस नई दिल्ली में प्राथमिक शिक्षा में स्वतंत्र प्रभार शस्तीश चंद्र द्वितीय दल गालीय यथा पेग्जा परम्परा

A photograph showing a man in a black t-shirt and glasses receiving a framed certificate or award from another man in a white shirt. A third man in a grey suit and white shirt is visible in the background. The background includes a large blue banner with the letters 'IB' and some Hindi text.

न सुनिश्चित करते आ रहे हैं।

## चलाया आउटरीच सह विधिक जागरूकता आभियान



**पाकुड़।** गुरुवार को झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर सचिव अजय कुमार गुड़िया के मार्गदर्शन में आज जीदाते इंटरमीडिएट कॉलेज पाकुड़ समेत इलामी पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों में नब्बे दिवसीय आउटरीच सह विधिक जगरूकता कार्यक्रम के तहत छात्र छात्राओं को बाल विवाह, साइबर अपराध, नालसा के योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए पीएलवी कमला राणा गांगुली ने जगरूक की । ग्रामीण क्षेत्रों में पीएलवी याकूब अली, सायेम अली, मैनुल शेख ने संयुक्त रूप से स्पॉन्सरशिप योजनाओं का लाभ, सरकार योजनाओं का लाभ, समेत जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिल वाली निशुल्क कानूनी लाभ की विस्तृत जानकारी दी । मौके पर पीएलवी द्वारा जगरूकता पुस्तिका, पर्ची वितरण की गई ।

नेताजी प्रतिमा स्थापना के सदस्यों को  
शाल ओढ़कर किया गया सम्मानित

संताल एक्सप्रेस संवाददाता  
हिरण्यपुर (पाकुड़) प्रखण्ड  
मुख्यालय के निकट सुभाष चोक स्थित  
गुरुवार को नेताजी जयंती पर  
आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष  
कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार  
की उपस्थिति में सुभाष चन्द्र बोस की अदम्य कद प्रतिमा की स्थापना  
सदस्यों को शाल औढ़ाकर सम्मानित किया गया। वही जिला परिषद सद  
प्रियंका देवी, मुखिया बाले हेम्ब्राम, तेरेसा टुड़ू ने कमिटी के सदस्य गौठ  
तिवारी, दिगम्बर साहा, अशोक दत्ता, सहदेव साहा व गाजो साहा दे  
सम्मानित किया गया। वही सदस्यों में से गैतम तिवारी ने जर्जर

डीसी ,एसपी सहित आला अधिकारी व अन्य लोगो ने नेताजी के प्रतिमा पर किया माल्यार्पण



संताल एक्सप्रेस संवाददाता हिरण्यपुर (पाकुड़) जिस सोच व विजन को लेकर बीते 35 वर्ष पूर्व हिरण्यपुर में सम्मानित सदस्यों द्वारा नेताजी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। जो आज भी हमे मार्गनिर्देश दे रही है। हिरण्यपुर चौक में गुरुवार को आयोजित नेताजी प्रतिमा स्थल की पर्ण हो चुक सौन्दीयकरण कार्य की शुभारम्भ के दौरान उपस्थित लोगों की सम्बोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा। कार्यक्रम में डीसी सहित पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, डीसीसी महेश संथालिया, एसडीओ साइमन मराणडी, शायमो जिला संयोजक अजीजुल इस्लाम, जिला उपाध्यक्ष समृद्ध अली को बुके देकर स्वागत किया गया। पाकुड़ जिला प्रशासन व डीबीएल-पीसीएमपीएल के सीएसआर मट के संयुक्त तत्वाधान में यह नवीनीकरण कार्य की गई। डीसी ने कहा कि इस प्रतिमा स्थापन में मुख्य भूमिका निभाने वाले सभी सदस्यों के कार्यों का युवाओं को अनुश्रुतवण करते हुए आगे बढ़कर बेहतर कार्य करना चाहिए। जन प्रतिनिधियों के सहयोग से प्रतिमा स्थल की नवीनीकरण का कार्य पूरा किया गया। नेताजी की बोल तुम मुझे खून दो की तर्ज पर रक्तदान कर लोगों की जाने बचाई जा सकती है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जन प्रतिनिधियों की सहयोग से विकास पथ पर अग्रसर है। हिरण्यपुर को सुंदर व स्वच्छ रखें। जो पाकुड़ जिले का तोरणद्वार बने। बाजार में नाती की समस्याओं को लेकर समाज के हित में पहल की गई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा, स्वच्छता व समाज की समुचित विकास की परिकल्पना करना आवश्यक है। जिससे की पाकुड़ जिला अग्रणी बने। हिरण्यपुर में जर्जर पड़े लाइब्रेरी, अस्पताल निर्माण आदि पर प्रयास किया जाएगा। वही एसपी ने अपने सम्बोधन में कहा कि कमिटी के सभी सदस्यों को नमन है। दूसरी प्राप्ति को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। विश्वासप्रद जनान

प्राकृति दिवस का आयोजन

**मिहिजाम** । जनजातीय संघ्या  
डिग्री कॉलेज मिहिजाम में नेताजी  
सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम  
दिवस के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाई  
गई। इस अवसर पर कॉलेज की  
राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा

कार्यक्रम का आयोजन किया गया।  
कार्यक्रम की शुरूआत में प्राचार्य प्रोफेसर कृष्ण मोहन साह ने नेताजी की तशीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रोफेसर साह ने नेताजी के जीवन के प्रेरणादायक पहलुओं पर चर्चा करते हुए उनके संघर्ष और देश के प्रति समर्पण को याद किया। कार्यक्रम के पदाधिकारी रंजीत यादव ने भी विद्यार्थियों को नेताजी के आदर्शों का पालन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर धमा लिया। जिनमें स्माइकलॉल स्टॉट्स सोसेन अंग वा लरीटी डेवलप

**ऑक्सफोर्ड ऋषि मिशन एकेडमी में मनाया**

**गया नताजी का जयात, किया माल्यार्पण**

संताल एक्सप्रेस संवाददाता  
महेश्वर (पाकुड़) हाटपाड़ा  
स्थित आॉक्सफोर्ड ऋषि पिशन  
एकड़भी में गुरुवार को नेताजी सुभाष  
चंद्र बोस की 144वीं जयंती धूमधाम  
से मनाई गई। इस अवसर पर  
विद्यालय के प्रिंसिपल सुभाष कुमार  
भगत, शिक्षिका पिकी गुप्ता, प्रवीन  
खातून ने बारी-बारी से नेताजी की  
तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया और उन्हें प्रदानजलि अर्पित की।  
कार्यक्रम के दैरान शिक्षक सरदार ऋषि सिंह ने नेताजी की जीवनी पर  
प्रकाश डालते हुए, उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और बलिदान को याद  
किया। उद्घोषणा कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का संर्वार्थ भारतीय स्वतंत्रता  
संग्राम में अनमोल योगदान है, और उनका साहस देशवासियों के लिए प्रेरणा  
का स्रोत है। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर मनोज कुमार, शिक्षिका  
गुलशन बेगम, पूजा साहा, कल्याण भगत सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ







